खबर संक्षेप

खुले गड्ढों के कारण चोपड़ा कॉलोनी रोड में हो रहे है हादसे

मैहर। मैहर नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 स्थित चोपड़ा कॉलोनी रोड की बदहाल स्थिति स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। सड़क किनारे बने खुले और गहरे गड्ढों के चलते आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहन फंस रहे हैं,जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। वार्डवासियों के द्वारा बताया जा रहा है कि बरसात दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में राहगीर और वाहन चालक अनजाने में इन गड्ढों का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार लोग गिरकर घायल हो चुके हैं और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं,लेकिन अब तक जिम्मेदार विभाग ने समस्या के स्थायी समाधान की ओर कोई ध्यान नहीं दिया है,रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि चोपड़ा कॉलोनी रोड के खुले गड्ढों को तत्काल भरवाया जाए और सड़क की मरम्मत कर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाए,ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

एनयूएसआई के जिला अध्यक्ष बने अजिर बिहारी

मैहर। व्यक्ति का संघर्ष ही उसे ऊंचाइयों में ले जाता है। कांग्रेस की युवा तरुणाई अजिर बिहारी द्विवेदी लगातार कांग्रेस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे और संघर्ष में अड़े रहने के कारण आज उसी की परिणीति है कि अजिर बिहारी द्विवेदी को पार्टी ने एनयूएसआई मैहर जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर शुभचितकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नगर पालिका परिषद में 6 एल्डर मैनों को मनोनीत किया गया

मैहर। मैहर नगर पालिका परिषद में 6 एल्डरमैनों श्रीमती भक्ति शर्मा पति विनोद शर्मा वार्ड क्रमांक 17 मैहर,कल्लू पाल पिता स्व.चंदीदीन पाल वार्ड क्रमांक 18 मैहर,सतविन्दर सिंह सरना पिता सुंदर सिंह सरना वार्ड क्रमांक 6 मैहर,तुषार अग्रवाल पिता राजेन्द्र अग्रवाल वार्ड क्रमांक 14 मैहर,संजय जादवानी पिता स्व.डॉ.हरनाम दास जादवानी वार्ड क्रमांक 5 मैहर एवं रामराज सिहं पिता भरत सिंह वार्ड क्रमांक 5 मैहर को मनोनीत किया गया है। एल्डर मैन उन लोगों को बनाया जाता है जिनका समाज सेवा,व्यापार, शिक्षा,कानून आदि में अनुभव हो और नगर का भला करने में सक्षम हो। शहर में मनोनीत किए गए एल्डर मैनों का काम होता है वह नगर परिषद में बैठकों में हुए फैसलों जैसे बजट, टैक्स, विकास, नियम आदि बनाने में राय देते है और वोट करते है। इसी तरह नगर के नागरिकों से क,नाली, लाइट, सफाई, पानी आदि समस्याएं सुन कर उसे पालिका में उठाना होता है।

बिजली गुल होने से बढ़ी आफत

सतना। लंबे इंतजार के बाद जिले में हुई जोरदार बारिश ने एक ओर जहाँ राहत दी,वहीं दूसरी ओर नगर निगम और स्थानीय प्रशासन के जल निकासी के तमाम दावों की पोल खोलकर रख दी। दोपहर से शुरू हुआ बारिश का दौर देर रात तक जारी रहा,जिससे शहर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया।

बारिश से बेहाल हुई स्मार्ट सिटी

सड़कें बनीं समंदर,घरों-दुकानों में घुसा पानी

शहर के निचले इलाकों से लेकर प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों तक हर तरफ पानी ही पानी नजर आया।

स्वास्थ्य सेवाएँ प्रभावित,प्रमुख मार्ग जलमग्न

बारिश के पानी ने शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्रभावित किया। सतना के शासकीय अस्पताल के चारों तरफ भारी जलजमाव हो गया,जिससे मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल पहुँचने में भारी परेशानियों से जूझना पड़ा। इसके अलावा सर्किट हाउस चौराहा और बस स्टैंड क्षेत्र जलमग्न रहा।

रेलवे अंडरब्रिज व अंधेरी पुलिया

पानी भर जाने के कारण यहाँ आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया। गल्ला मंडी,शास्त्री चौक व हनुमान चौक में नालियों की साफ-सफाई न होने और चोक होने की वजह से पानी सड़कों पर उतर आया और कई दुकानों के भीतर तक घुस गया।

सीवर लाइन और घटिया रेस्टोरेशन ने बढ़ाई आफत

हाल ही में सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों का जैसा-तैसा (घटिया) रेस्टोरेशन किया गया था,वह पहली ही तेज बारिश में धुल गया। सड़कों पर जगह-जगह खतरनाक गड्ढे उभर आए हैं। जिन इलाकों में सड़कें ऊँची करके बनाई गई थीं,वहाँ आसपास के निचले मकानों में पानी भर जाने से लोगों को रात भर रतजगा करना पड़ा।

व्हाट्सएप ग्रुपों पर दिखा नागरिकों का गुस्सा,जनप्रतिनिधि नदारद

स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों ने स्थिति की तस्वीरें व शिकायतें सोशलमीडिया और संदेशों के माध्यम से साझा कीं। शास्त्री चौक और हनुमान चौक के निवासियों ने नालियों की बदहाली पर कड़ा आक्रोश जताया। लोगों ने स्थानीय पार्षदों और जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद कोई भी जिम्मेदार आल्हा अफसर या जनप्रतिनिधि धरातल पर हाल चाल लेने नहीं पहुँचा।

बिजली कटौती से दोहरा हुआ संकट

बारिश के साथ-साथ शहर में बिजली की आँख-मिचौनी का खेल जारी रहा। शाम 6 बजे के बाद शहर के कई प्रमुख इलाकों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। अंधेरे और जलजमाव के बीच नागरिकों को दोहरी आफत का सामना करना पड़ा।

मौसम का लेखा-जोखा

मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 30.4 और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस,आर्द्रता 90% से 97%,सुबह 08:30 से शाम 05:30 बजे तक बारिश 40.8 मिमी रिकॉर्ड की गई है।

महापौर के आश्वासन के 6 दिन बाद भी समस्या बरकरार: विंध्य चेम्बर ने याद दिलाया वादा, आंदोलन के दूसरे चरण की चेतावनी

सतना। शहर की जर्जर सड़कों,नालियों की सफाई,पेयजल आपूर्ति,जलभराव और लचर यातायात जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर व्यापारियों का आक्रोश गहराता जा रहा है। विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना ने महापौर योगेश ताम्रकार को पत्र लिखकर ज्ञापन सौंपते समय दिएगए उनके आश्वासन की याद दिलाई है। चेम्बर ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा।

6 दिन बीतने पर भी नहीं हुई बैठक: चेम्बर महामंत्री मनोज कटारे ने जानकारी दी कि 14 जुलाई 2026 को चेम्बर के प्रतिनिधिमंडल, 51 व्यापारिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और सैकड़ों व्यापारियों ने अपनी माँगों को लेकर नगर निगम का घेराव किया था। उस दौरान लगभग 6 घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुँचे एडीएम विकास सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार ने व्यापारियों की माँगों को जायज ठहराया था। महापौर ने आश्वासन दिया था कि तीन दिनों के भीतर नगर निगम अधिकारियों और चेम्बर प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। हालांकि,6 दिन बीत जाने के बाद भी नगर निगम प्रशासन द्वारा बैठक को लेकर कोई सूचना नहीं दी गई। निगम की इस अनदेखी से व्यापारी वर्ग में भारी निराशा और आक्रोश है। चेम्बर पदाधिकारियों की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि समाधान न होने पर सहयोगी संस्थाओं के साथ रणनीति बनाकर आंदोलन तेज किया जाएगा।

चेम्बर के पत्र के बाद हरकत में आया निगम प्रशासन: चेम्बर द्वारा याद दिलाए जाने के बाद महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सतना तथा नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखा है। महापौर ने विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स और संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित करने का आग्रह किया है।महापौर ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि चेम्बर द्वारा प्रस्तुत 14सूत्रीय ज्ञापन में यातायात व्यवस्था,पार्किंग,अतिक्रमण हटाने और मूलभूत सुविधाओं जैसी जनहित से जुड़ी माँगें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन विषयों का सीधा असर व्यापारियों और आम नागरिकों की दैनिक सुविधा पर पड़ता है,इसलिए सभी संबंधित विभागों के साथ बैठकर जल्द से जल्द प्रभावी और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कागजी पत्राचार में उलझी जनता की उम्मीदें: चेम्बर के पत्र के जवाब में महापौर द्वारा जिला प्रशासन को पत्र लिखे जाने के बावजूद,धरातल पर स्थितियाँ जस की तस बनी हुई हैं। फिलहाल सतना की जनता और व्यापारी मूलभूत समस्याओं से जूझने को मजबूर हैं और उन्हें राहत मिलने का इंतजार है।

मझगवां में दबंग ठेकेदार की मनमानी किसान की जमीन पर जबरन बना दी तलैया

सतना।

जनपद पंचायत मझगवां मुख्यालय से करीब 6 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत देवलहा में ठेकेदार की बड़ी मनमानी का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान बंशगोपाल पटेल ने आरोप लगाया है कि उनकी निजी कृषि भूमि पर रोहित कुशवाहा द्वारा जबरन पट्टे की अआराजी (प्रस्ताव) पर तालाब/तलैया का निर्माण करा दिया गया है। पीड़ित किसान का कहना है कि इस निर्माण कार्य के लिए उनसे न तो कोई लिखित सहमति ली गई और न ही उनकी अनुमति ली गई।बिना किसी पूर्व सूचना और सहमति के उनकी जमीन पर कब्जा कर तलैया बना दी गई,जिससे उनकी फसल और भूमि दोनों प्रभावित हुई है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों में भी ठेकेदार की इस तानाशाही को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है।

सोनम वांगचुक की रिहाई और शिक्षा नीति वापस लेने की मांग

सतना। सीटू के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत एमपीएमएसआरयू इकाई एवं जिला ट्रेड यूनियन कौंसिल ने राष्ट्रपति के नाम जिलाधीश सतना को एक ज्ञापन सौंपा। एमपीएमएसआरयू के प्रदेश अध्यक्ष कॉमरेड संजय सिंह तोमर ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक एवं छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन के प्रति केंद्र सरकार का अमानवीय रवैया अत्यंत निंदनीय है। इस अलोकतांत्रिक कृत्य के विरोध में 20 जुलाई को देशभर में प्रदर्शन किए गए।

प्रमुख मांगें:सोनम वांगचुक की रिहाई: जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को तुरंत बिना शर्त रिहा किया जाए और लोकतांत्रिक प्रदर्शनों पर दमन रोका जाए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा: परीक्षा संकट को रोकने में विफल रहने पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त किया जाए। NEP 2020 की वापसी: विवादास्पद राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को वापस लेकर समानता,संघवाद और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित नई नीति बने।NTA में सुधार: राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में ढांचागत सुधार कर परीक्षाओं में पारदर्शिता लाई जाए। यूनियनों ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर त्वरित निर्णय नहीं लिया गया,तो किसान,छात्र और युवा संगठनों को एकजुट कर व्यापक राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। प्रदर्शन में हरि प्रकाश गोस्वामी, संजय सिंह तोमर,तेजप्रताप दुबे और वीरेंद्र सिंह रावल समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक के समर्थन में मैहर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

मैहर। मैहर के घंटाघर परिसर में पर्यावरणविद् एवं समाजसेवी सोनम वांगचुक के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर लोकतांत्रिक अधिकारों,पर्यावरण संरक्षण तथा जनहित के मुद्दों पर अपनी एकजुटता व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रदेश सह सचिव उमेश चौधरी,सभी साथियों के साथ महेंद्र सनाढ्य,राजेश शुक्ला, एडवोकेट आनंद श्रीवास्तव,साकिब अली,मनोज पटेल,राकेश बंसल,सिया एवं मनीष चौरसिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सोनम वांगचुक का संघर्ष केवल एक व्यक्ति का आंदोलन नहीं,बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों,पर्यावरण संरक्षण और जनहित के मुद्दों की आवाज़ है। उन्होंने कहा कि वांगचुक लंबे समय से शांतिपूर्ण भूख हड़ताल पर हैं और हाल ही में उन्हें आंदोलन स्थल से हटाकर अस्पताल ले जाया गया,जिससे देशभर में अनेक लोगों के बीच चिंता और प्रतिक्रिया देखने को मिली।आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण आंदोलन और अहिसक विरोध का सम्मान होना चाहिए। जनभावनाओं का समाधान संवाद और संवैधानिक प्रक्रिया से निकाला जाना चाहिए,न कि टकराव से। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने 20 जुलाई को प्रस्तावित शांतिपूर्ण 'संसद मार्च (पैदल मार्च)' के प्रति अपना नैतिक समर्थन व्यक्त करते हुए आशा जताई कि सरकार लोकतांत्रिक भावना का सम्मान करेगी और संबंधित मुद्दों पर सकारात्मक संवाद स्थापित करेगी। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र,संविधान,पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ई -टोकन से खाद बुकिंग में बाधा, किसान परेशान

मैहर। मैहर जिले में खाद की बुकिंग को लेकर किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से खाद की बुकिंग नहीं हो पा रही,जिससे किसान चिंतित और हताश हैं। किसानों के द्वारा बताया जा रहा है कि कृषि विभाग द्वारा लागू की गई ई-टोकन प्रणाली का उद्देश्य खाद वितरण को तेज और पारदर्शी बनाना था,लेकिन तकनीकी खामियों के कारण यह किसानों के लिए समस्या का सबब बन गई है। आज बरसात होते ही किसानों ने खेत जोत लिया और बुवाई करने लगे हैं लेकिन खाद न मिलने से बुवाई का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आज किसान खाद के लिए ई-टोकन बुक नहीं कर पा रहे हैं जिससे उनके समय और मेहनत की बर्बादी हो रही है। खाद की उपलब्धता में देरी से खेती के मौसमी चक्र पर प्रभाव पड़ने की आशंका है।स्थानीय किसानों ने प्रशासन से इस समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है ताकि उन्हें समय पर खाद मिल सके और खेती का कार्य सुचारू रूप से चल सके।

गरीब सेना ने धर्मेंद्र प्रदान के इस्तीफे की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सतना। गरीब सेना ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने हेतु केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे एवं पेपर लीक बंद करो की मांगों को लेकर बीस दिनों से भूख हड़ताल कर रहे वैज्ञानिक, महान शिक्षाविद, पर्यावरणविद् सोनम वांगचुग के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई कायरता पूर्ण कार्रवाई के विरोध में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा।

खबर संक्षेप

गुनौर के संदीपनी विद्यालय में थाना प्रभारी बलवीर सिंह की अगुवाई में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

गुनौर। क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को एक उज्ज्वल तथा नशामुक्त भविष्य देने के उद्देश्य से संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुनौर में एक विशाल श्नशा मुक्ति अभियानश का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी बलवीर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस प्रभावी कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और नशा छोड़कर एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की शपथ दिलाई गई।

पुलिस प्रशासन और शिक्षाविदों का संयुक्त प्रयास- कार्यक्रम में थाना प्रभारी बलवीर सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को दीमक की तरह चाट जाता है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे स्वयं को किसी भी प्रकार के व्यसन से दूर रखें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति सचेत करें। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों ने भी अपने सारगर्भित विचारों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य प्रभु दयाल मिश्रारू उन्होंने युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में मोड़ने की बात कही। उन्होंने बताया कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जो समाज से नशे जैसी कुरीतियों को जड़ से समाप्त कर सकती है। डॉ. दुर्गा त्रिपाठी ने स्वास्थ्य दृष्टिकोण से नशे के खतरनाक परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार शुरुआत में शौक के रूप में लिया गया नशा जीवन भर की असाध्य बीमारियों का कारण बन जाता है। नम्रता मैडमरू उन्होंने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक ताने-बाने पर नशे के पड़ने वाले असर को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी गलत आदत से बचा जा सकता है।

छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ- अभियान के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी बलवीर सिंह ने उपस्थित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को जीवन में कभी नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करनेश की राष्ट्रहित में शपथ दिलाई। विद्यालय प्रबंधन और उपस्थित जनों ने थाना प्रभारी की इस सामाजिक पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

संदीपनी विद्यालय पवई में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा पर हो रहे अनेक कार्यक्रम

पवई। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत पाँचवें दिन, दिनांक 20 जुलाई 2026 को संदीपनी विद्यालय पवई में संस्कृत श्लोक, भजन एवं गुरु वंदना का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न संस्कृत श्लोकों का सस्वर पाठ किया तथा गुरु महिमा पर आधारित भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रमेश प्रसाद शास्त्री रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता के.एल. उपाध्याय जी ने की।

पन्ना वैसे भी पवित्र एवं धार्मिक नगरी वहीं विगत दिवस मंदिर प्रांगण में भागवत कथा के दौरान कृष्ण जन्मोत्सव की धूम में नाच उठे भक्तगण

श्री जुगुल किशोर मंदिर में चल रही भागवत कथा में पूरा नगर भक्तिभाव में डूबा

पन्ना। पन्ना में इस समय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन जो किया गया वह निष्चितौर पर समूचे नगरवासियों के लिए धार्मिक वहीं धर्म की बयार लेकर जैसे अदभुद संगम भक्तिमय नजर आ रहा है। पन्ना वैसे भी धार्मिक एवं पवित्र नगरी है। वहीं श्री जुगुल किषोर मंदिर में जहां भक्तों का आपार प्रेम, श्रृद्धा जो जानी जाती है उसके साथ-साथ इस समय भागवत कथा को लेकर समूचे नगर के भक्तगणों की उपस्थिति देखते ही बनती है ऐसा प्रतीत होता है जैसे पूरा नगर भक्तिमय में डूबा हुआ हो। विगत दिवस तो भागवत कथा श्री कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान भक्तगण नाच उठे वहीं घरों से लेकर मंदिर व नगर के मार्गों में भक्तिमय महौल बना हुआ है। यह आयोजन गुरूपूर्णिमा को लेकर खास माना जा रहा है। वहीं पन्ना जो भगवान जुगुल किषोर की नगरी है वहीं भावगत कथा जो बृन्द्रावन से पधारे संतों की उपस्थिति वहीं प्रमुख रूप से किषोरदास जी महाराज वहीं कथा वाचक राजेन्द्रदास जी महाराज को लेकर सान्वी लौण्डमार्क होटल में भी श्रृद्धालुओं के द्वारा दर्षन पाने के लिए ललक देखते ही बनती है। इस तरह से यह कहा जा सकता है कि यहां भक्तिमय में पूरा नगर दिखाई पड़ रहा है। वहीं प्रषासनिक कार्य भी इस समय इस भावगत कथा के आयोजन में पीछे माने जा रहे है। क्योंकि नगर के समस्त जिम्मेदार अधिकारियों को दायित्व इस आयोजन में कहीं न कहीं जिम्मेदारी के रूप में भी प्रमुख माने जा रहे है। इस तरह से यह कहें कि इस समय भावगत कथा का असर समूचे नगर में अपना अलग ही माहौल माना जा रहा है। निष्चितौर पर इस तरह का आयोजन सायद पन्ना में पहली बार किया गया जो चर्चा का विषय है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार व सोनम वांगचुक प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

अजयगढ़। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार अजयगढ़ के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक, परिणामों में देरी तथा परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं के कारण लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाए। ज्ञापन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े घटनाक्रम का भी उल्लेख करते हुए उनके साथ हुई कथित कार्रवाई की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही सरकार से इस मामले में आधिकारिक स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया गया है। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से पांच प्रमुख मांगें की गई हैं, जिनमें शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना, प्रतियोगी परीक्षाओं की अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, छात्रों के हितों से जुड़े विषयों पर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करना, सोनम वांगचुक प्रकरण की स्वतंत्र जांच कराना तथा शिक्षा से संबंधित मामलों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही तय करने की मांग शामिल है। ज्ञापन पर 20 जनवरी 2025 की मुहर अंकित है। ज्ञापन भेजने वालों ने आशा व्यक्त की है कि विद्यार्थियों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

पवई वन परिक्षेत्र अधिकारी का पद संभाला पंकज दुबे ने संभाला पदभार

पवई। पवई वन परिक्षेत्र में सोमवार को नए रेंजर के रूप में पंकज दुबे ने पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने वन एवं वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि वन अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, अवैध कटाई पर अंकुश और वन संपदा की सुरक्षा के लिए सख्ती के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाते हुए विभागीय अमले के साथ समन्वय बनाकर क्षेत्र में बेहतर कार्य किए जाएंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से वन परिक्षेत्र की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों, लंबित प्रकरणों तथा चल रहे विकास एवं संरक्षण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों को नियमित गश्त बढ़ाने, वन अपराधों पर कड़ी निगरानी रखने और अवैध कटाई व अतिक्रमण के मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पंकज दुबे ने कहा कि पवई वन परिक्षेत्र जैव विविधता और प्राकृतिक संपदा से समृद्ध क्षेत्र है। इसके संरक्षण के लिए स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण के साथ जनजागरूकता अभियान, पौधरोपण और वन संवर्धन कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाएगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ वन क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो सके। पदभार ग्रहण के अवसर पर वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवपदस्थ रेंजर का स्वागत करते हुए उनसे वन संरक्षण एवं विभागीय कार्यों में नई ऊर्जा और गति मिलने की उम्मीद जताई।

जनपद मुख्यालय से चंद किलोमीटर दूर नाली निर्माण पर उठे सवाल, गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

पवई। जनपद पंचायत कार्यालय पवई से महज 3 से 4 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत छिरहा के ग्राम छिरहा में कराए गए नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं किया गया, जिससे सरकारी राशि के उपयोग और कार्य की गुणवत्ता पर संदेह पैदा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य नियमों और तकनीकी मानकों के अनुसार हुआ होता, तो इसकी गुणवत्ता स्पष्ट दिखाई देती। मौके की स्थिति देखकर यह सवाल उठ रहा है कि निर्माण कार्य के दौरान संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने निरीक्षण किया था या नहीं। यदि नियमित निगरानी होती, तो कथित रूप से घटिया निर्माण की शिकायत सामने नहीं आती। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि संबंधित निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए। यदि जांच में निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के विपरीत पाया जाता है, तो संबंधित ठेकेदार, निर्माण एजेंसी तथा कार्य की निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि सार्वजनिक धन से होने वाले निर्माण कार्य टिकाऊ और मानकों के अनुरूप हों।

ईको सीमेंट प्लांट का किसानों ने एक स्वर में किया विरोध

भारतीय किसान संघ पन्ना की जिला बैठक घटारी में सम्पन्न

अमानगंज। भारतीय किसान संघ, जिला पन्ना (महाकौशल प्रान्त) की जिला बैठक ग्राम घटारी स्थित श्री राम-जानकी मंदिर प्रांगण, तहसील अमानगंज में सम्पन्न हुई। बैठक में महाकौशल प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री तुलाराम जी भाईसाब (जबलपुर) एवं संभागीय मंत्री हेमंत पटेल जी (सागर संभाग) की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक का शुभारंभ भारत माता, भगवान बलराम एवं संगठन के प्रेरणा पुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों एवं किसान हित के विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, ग्राम समिति गठन, किसानों की वर्तमान समस्याएं, कृषि लागत में वृद्धि, सिंचाई व्यवस्था, खाद-बीज की उपलब्धता, फसलों के लाभकारी मूल्य, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने प्रत्येक ग्राम एवं मंडल स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक के दौरान क्षेत्र की प्रमुख समस्या ईको सीमेंट प्लांट को लेकर सभी किसान साथियों ने एक स्वर में विरोध व्यक्त किया। निर्णय लिया गया कि किसानों के हितों की रक्षा हेतु आगामी माह भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारतीय किसान संघ सदैव किसानों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहा है। संगठन गांव-गांव तक पहुंचकर किसानों को जागरूक, संगठित एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य निरंतर करता रहेगा। बैठक के दौरान वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके उपरांत सभी कार्यकर्ताओं एवं किसान बंधुओं ने प्लास्टिक मुक्त (भरता गकड़िया) सहभोज में सहभागिता की। भोजन कमल के पत्तों पर परोसा गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय संस्कृति का सुंदर संदेश दिया गया। बैठक में संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा करते हुए शाहनगर तहसील अध्यक्ष पद पर बालचंद साहू तथा अमानगंज तहसील उपाध्यक्ष पद पर विपिन उपाध्याय (पगरा) एवं चिकलहाई मंडल (10 ग्रामो) संयोजक पद पर बृजेश तिवारी की घोषणा की गई। इस अवसर पर पालक विश्वजीत सिंह (बाबा राजा), जिला उपाध्यक्ष नरपत सिंह, जिला मंत्री लोकेंद्र सिंह, जिला युवा प्रमुख मुकेश पाठक, जिला सहमंत्री वीरेंद्र तिवारी, इंद्रजीत पटेल, अमानगंज तहसील अध्यक्ष अशोक तिवारी, जिला उपाध्यक्ष (रामसिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष) धर्मेंद्र सिंह परमार, चरण सिंह परमार, सुरेंद्र सिंह राजपूत (घटारी), इंद्र कुमार पाठक, अवधेश पाठक, श्री पवन पाठक, जितेंद्र त्रिपाठी (गौरा), जयपाल राजा, अनील राजा पवईया अरविंद पचौरी महेवा, विनोद तिवारी, वीरेंद्र सिंह राजपूत, दुर्गेश शर्मा, रामचरण पटेल, जगदीश पटेल,धन्नू पटेल पत्रकार साथी रविंद्र शर्मा एवं सर्वेंद्र यादव सहित जिला, तहसील एवं ग्राम स्तर के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे। बैठक का समापन ष्भारत माता की जयष एवं ष्वंदे मातरम्ष के उद्घोष के साथ हुआ।

हीरे की तलाश में खेत खोद रहे किसान किस्मत चमकी तो लाखों-करोड़ों, नहीं तो बर्बादी

पन्ना। मध्य प्रदेश का पन्ना जिला अपनी जेम्स क्वालिटी के हीरों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां की रत्नगर्भा धरती ने कई लोगों को रातोंरात लखपति और करोड़पति बनाया है। इसी उम्मीद में जिले के कई किसान अब पारंपरिक खेती छोड़ अपने खेतों में हीरों की तलाश में जुट गए हैं। मनोर पंचायत के जरुआपुर, बृजपुर और सरकोहा सहित कई गांवों में किसान निजी हीरा खदानों के जरिए अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जरुआपुर के सरपंच एवं तुआदार प्रकाश मजूमदार इस बदलाव की बड़ी मिसाल हैं। उन्हें अब तक छोटे-बड़े मिलाकर 12 से अधिक हीरे मिल चुके हैं। वर्ष 2024 में मिला उनका 16.10 कैरेट का जेम क्वालिटी हीरा सरकारी नीलामी में 86 लाख रुपये से अधिक में बिका था। वहीं किसान दिलीप मिस्त्री को वर्ष 2023 में करीब 8 कैरेट का बहुमूल्य हीरा मिला, जिसने उनकी किस्मत बदल दी। हालांकि हर किसी की किस्मत इतनी मेहरबान नहीं होती। किसान अपनी जमीन या 20 प्रतिशत साझेदारी पर दूसरे की जमीन लेकर हीरा कार्यालय से पट्टा बनवाते हैं और महीनों तक खुदाई करते हैं। इस दौरान मजदूरों, मशीनों और अन्य व्यवस्थाओं पर लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन कई बार वर्षों की मेहनत के बाद भी एक भी हीरा हाथ नहीं लगता। ऐसे में अनेक किसान कर्ज के बोझ तले दब जाते हैं। प्रकाश मजूमदार का कहना है कि हीरे की खुदाई पूरी तरह किस्मत का खेल है। मेहनत हर कोई करता है, लेकिन हीरा किसे मिलेगा यह पहले से तय नहीं होता। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर ईरान-अमेरिका तनाव के कारण हीरों के वैश्विक बाजार पर असर पड़ा है। इसके चलते पन्ना में सरकारी हीरा नीलामी भी प्रभावित हुई, जिससे तुआदारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसान दिलीप मिस्त्री का कहना है कि फल और सब्जी की खेती में मेहनत का निश्चित प्रतिफल मिलता है, लेकिन हीरे की खुदाई में सफलता की कोई गारंटी नहीं होती। इसके बावजूद उम्मीद और मेहनत के दम पर किसान इस काम से जुड़े हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि तमाम जोखिमों और अनिश्चितताओं के बावजूद किसानों का भरोसा पन्ना की रत्नगर्भा धरती पर कायम है। वर्ष 2026 में हीरा कार्यालय ने रिकॉर्ड 300 नए पट्टे जारी किए हैं, जिनमें 125 निजी खेतों के लिए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि पन्ना में हीरे की खेतीश का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। अब यह आने वाला समय ही बताएगा कि यह चमकीली मिट्टी इन किसानों की किस्मत चमकाएगी या उन्हें आर्थिक संकट की ओर धकेलेगी।

जनकपुर मेले से लौट रही वृद्ध महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत, अस्पताल छोड़कर फरार हुआ बोलेरो चालक

पन्ना। जनकपुर मेले से अपने गांव लौट रही एक वृद्ध महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान सतरिया पारधी (पति रीठा सिंह), निवासी गांधीग्राम, थाना कोतवाली पन्ना के रूप में हुई है। वह जनकपुर मेले में पांचमुखी रुद्राक्ष की माला की दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं। जानकारी के अनुसार, मेले से वापस अपने गांव गांधीग्राम लौटते समय एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक ही मानवता दिखाते हुए उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल पन्ना लेकर रवाना हुआ, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिला अस्पताल पहुंचने के बाद चालक महिला को वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां वृद्ध महिला को मृत अवस्था में देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पंचनामा एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई पूरी की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार बोलेरो चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। इस दर्दनाक हादसे से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

बिना नोटिस तीन मकानों पर चला बुलडोजर, तहसीलदार की कार्रवाई पर उठे सवाल

सरपंचो के इशारे पर तोड़ दिए गरीबो के आशियाने

शाहनगर। शाहनगर तहसील क्षेत्र के महेवा गांव में शासकीय भूमि पर बने मकानों को हटाने की कार्रवाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। प्रशासन ने शासकीय भूमि पर बने करीब 50 मकानों में से तीन मकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों ने आरोप लगाया कि उन्हें पूर्व में कोई नोटिस नहीं दिया गया और बिना पर्याप्त अवसर दिए उनके आशियाने तोड़ दिए गए। पीड़ितों का आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली बोरी सरपंच मनीष खरे ओर सलैया सरपंच प्रतिनिधि छोटे पटेल के इशारे पर प्रशासन ने चुनिंदा मकानों को निशाना बनाया। उनका कहना है कि यदि भूमि शासकीय है तो सभी अतिक्रमणों पर समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन केवल तीन मकानों को हटाया गया, जिससे कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रभावित परिवारों ने यह भी आरोप लगाया कि कार्रवाई से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। वहीं, क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि हाल के दिनों में कुछ लोगों का तहसील कार्यालय में लगातार आना-जाना बना हुआ था। हालांकि, पीड़ितों द्वारा लगाए गए रिश्वत और दबाव में कार्रवाई कराने जैसे आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इधर, प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। यदि कार्रवाई नियमानुसार की गई है तो नोटिस जारी करने, अतिक्रमण चिन्हांकन और कार्रवाई की प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने की मांग भी उठ रही है।

खबर संक्षेप

जंतर-मंतर आंदोलन की गूंजः छतरपुर में अधिवक्ताओं ने उपवास रखकर समर्थन किया

छतरपुर। देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर विभिन्न मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन को अब मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में भी व्यापक जनसमर्थन मिलना शुरू हो गया है। इसी क्रम में छतरपुर के स्थानीय वकीलों और अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर जंतर-मंतर के आंदोलनकारियों के पक्ष में अपनी आवाज उठाई। अधिवक्ताओं ने सांकेतिक रूप से एकदिवसीय उपवास (अनशन) रखकर दिल्ली में आंदोलनरत लोगों की मांगों का खुलकर समर्थन किया। इस एकदिवसीय उपवास और समर्थन प्रदर्शन के दौरान जिला न्यायालय परिसर व आसपास के कई वरिष्ठ और युवा अधिवक्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ महिला अधिवक्ता उर्मिला अहिरवार उपस्थित रहीं। उनके साथ तमाम अन्य अधिवक्ताओं ने भी एक स्वर में जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता जताई। उपवास पर बैठे अधिवक्ताओं का कहना था कि देश के किसी भी हिस्से में यदि जनहित या न्याय की लड़ाई लड़ी जा रही है, तो कानून के रक्षक के रूप में अधिवक्ता समुदाय उनका पूरा समर्थन करेगा। इस शांतिपूर्ण उपवास प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने अपनी एकजुटता का परिचय दिया, जिसकी चर्चा अब जिले के न्यायिक और राजनैतिक गलियारों में जोरों पर है।

पठापुर रोड की बदहाल सड़क से लोग परेशान, पार्षद और विधायक से गुहार के बाद भी नहीं हुआ निर्माण

छतरपुर। शहर के पठापुर रोड स्थित बुंदेलखंड सिटी के आगे सड़क की बदहाल स्थिति से स्थानीय लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि लंबे समय से सड़क जर्जर बनी हुई है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सड़क पर जगह-जगह मिट्टी और पानी जमा रहने से आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बीते दिनों एक युवक वाहन से फिसलकर गिर गया था। वहीं स्कूली बच्चों को भी इसी खराब सड़क से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके लिए स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर पार्षद एवं स्थानीय विधायक को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है तथा पैदल निकलना भी चुनौती बन जाता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द सड़क का निर्माण एवं मरम्मत कराए जाने की मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

वाणिज्य की शोधार्थी स्वाति रावत ने पी-एच.डी. उपाधि हेतु दी सफल शोध प्रस्तुति

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर के वाणिज्य अध्ययनशाला एवं शोध केन्द्र की शोधार्थी सुश्री स्वाति रावत ने पी-एच.डी. उपाधि हेतु आयोजित अंतिम मौखिकी परीक्षा में सफलतापूर्वक अपने शोधकार्य का प्रस्तुतीकरण किया। उल्लेखनीय है कि स्वाति रावत ने मध्यांचल ग्रामीण बैंक के वित्तीय प्रबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं शोध-निर्देशक प्रो. डॉ. ओ. पी. अरजरिया के निर्देशन में पूर्ण किया है। अपने शोध में उन्होंने मध्यांचल ग्रामीण बैंक के वित्तीय प्रबंधन, लाभप्रदता, संसाधनों के उपयोग, ऋण वितरण, जमा संग्रहण तथा बैंक की कार्यकुशलता का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया। साथ ही ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक व्यावहारिक एवं महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

एक था गधा उर्फ अलादाद खां के मंचन के साथ गिरा कार्यशाला का परदा

30 कलाकारों की टोली ने मंच पर जीवंत किए विभिन्न किरदार

छतरपुर।

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय और शंखनाद नाट्य मंच छतरपुर के संयुक्त तत्वावधान में शहर के गांधी आश्रम में संचालित 25 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का समापन मशहूर व्यंग्यकार शरद जोशी के लिखे नाटक एक था गधा उर्फ अलादाद खां के मंचन के साथ हुआ। गांधी आश्रम का मुक्ताकाशी मंच,विपरीत परिस्थितियां और भारी बारिश के बावजूद नाटक का मंचन शुरू हुआ और दर्शकों ने भी कलाकारों का जमकर हौसला बढ़ाया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति ने कलाकारों के उत्साह को दोगुना कर दिया। विशिष्ट अतिथियों में गांधीवादी प्रेमनारायण मिश्रा,आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्याम गौतम, डॉ बहादुर सिंह परमार, डॉ संजय शर्मा, समाजसेवी शंकर सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

30 कलाकारों से सजी टीम ने मचाया धमाल

पिछले 25 दिनों से कार्यशाला में प्रशिक्षण ले रहे अभ्यर्थियों ने सवा घंटे के इस नाटक में जमकर धमाल मचाया। गीत संगीत से लबरेज इस नाटक में पात्रों के अभिनय, डायलॉग्स, वेशभूषा, मंच सज्जा, प्रॉपर्टी के साथ प्रकाश एवं ध्वनि प्रभाव ने चार चांद लगा दिए। प्रमुख भूमिकाओं में राजेश कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, अभि तिवारी, अभिषेक गोस्वामी, मानवेंद्र सिंह, स्वाति विश्वकर्मा, शिल्पा रैकवार, अवनी अहिरवार, निशांत वाल्मीक, दीपचंद्र प्रजापति,आशीष पाल, अनन्या खरे, निष्ठा गुप्ता, अनुशिका चौरसिया आदि रहे तो वहीं संगीत संयोजन महेंद्र प्रताप तिवारी, मुकेश वर्मा, तन्मय सेन और राज राखेरिया का रहा। ध्वनि और विद्युत प्रभाव अभिदीप सुहाने का था। नाटक की प्रॉपर्टी, कॉस्ट्यूम डिजाइन में श्रुति चौरसिया, यश सोनी और नवदीप पाटकर ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।रूसज्जा और सह निर्देशन लक्ष्य अरोड़ा का रहा और कार्यशाला संयोजन तथा निर्देशन शिवेन्द्र शुक्ला ने किया। 25 दिवसीय कार्यशाला में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय से आए प्रशिक्षकों लक्ष्य अरोड़ा और गीता अहिरवार ने रंगमंच की बारीकियां सिखाईं।

यह थी नाटक की कहानी

नाटक में जुग्गन नामक पात्र का गधा गुजऱ जाता है और वह रोते हुए घूमता है। उसने गधे का नाम अलादाद रखा हुआ था। नाटक का नवाब एक सनकी शख्स है जिसे कोतवाल की एक सूचना से गलतफहमी हो जाती है कि अलादाद खां एक आदमी था। वह घोषणा करता है कि अलादाद खां के जनाज़े को वह खुद कंधा देगा जिससे जनता के बीच एक संवेदनशील नवाब की छवि बने। लेकिन जब बाद में पता चलता है कि जिसे वह कंधा देने वाला है वह आदमी नहीं एक गधा है तो वह कोतवाल को फांसी पर चढ़ाने का हुक्म देता है।अचानक परेशान कोतवाल की मुलाकात एक दुकान पर अलादाद खां नामक युवक से होती है। बस यहीं से नाटक का असली खेल शुरू होता है और फिर कहानी एक नया और मजेदार मोड़ लेती है।

नाटक के समापन पर मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक संजय श्रीवास्तव ने सभी अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया और शंखनाद नाट्य मंच की तरफ से कार्यशाला का चयन छतरपुर के लिए करने पर एक स्मृति चिह्न शंखनाद नाट्य मंच टीम की तरफ से अध्यक्ष अंजलि शुक्ला ने प्रदान किया।

इस मौके पर डॉ बहादुर सिंह परमार ने कहा कि नाटक का मंचन इतना प्रभावशाली था कि दर्शकों को पूरा मैसेज मिल गया अब कुछ कहने को बाकी नहीं है। शंकर सोनी ने कहा कि पिछले 26 सालों से शिवेन्द्र शुक्ला छतरपुर में रंगमंच की अलख जगाये हैं और उनके सानिध्य से कई कलाकार आज मुंबई में अपना मुकाम बना रहे हैं और अब एक नई पौध भी तैयार हो रही है जो रंगमंच को और समृद्ध करेगी। प्रेमनारायण मिश्रा ने कहा कि इस टीम के नाटक हमेशा प्रेरक और संदेश देने वाले होते हैं। भावपूर्ण अभिनय के लिए उन्होंने सभी की सराहना की। आजीविका मिशन के श्याम गौतम ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि इस तरह के प्रदर्शनों के दौरान मेरी उपस्थिति रहती है।छतरपुर में इतने उत्कृष्ट मचानों का श्रेय शंखनाद और उनकी पूरी टीम को जाता है।

नाट्य विद्यालय के निदेशक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि मूसलाधार बारिश भी कलाकारों का हौसला नहीं डिगा पाई। रंगमंच यही सिखाता है कि शो मस्ट गो ऑन। आज इन कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया जिसके लिए वे साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में मध्यप्रदेश के सभी जिलों में इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित होंगीं और रंग प्रयोग कार्यशाला के उत्कृष्ट नाटक भी देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम में सहयोगी भूमिकाओं में गांधी आश्रम, सर्वेश खरे, मानस गुप्ता, आकाश मिश्रा, प्रद्युम्न सिंह रहे तो वहीं कार्यक्रम का संचालन नीरज खरे ने किया।

शिकायतकर्ता ने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

द मंगलम' होटल मामले में कार्रवाई ठप्प, अब जांच रिपोर्टों पर गंभीर सवाल?

नौगांव। जगतसागर तालाब की नहर और शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर चर्चित 'द मंगलम' होटल प्रकरण में महीनों बाद भी कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े होने लगे हैं। शिकायतकर्ता ने जिला कलेक्टर और एसडीएम नौगांव को पुनः आवेदन देकर आरोप लगाया है कि संयुक्त निरीक्षण में तैयार पंचनामा और बाद में विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों में गंभीर विरोधाभास है, जिससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

शिकायतकर्ता के अनुसार, टीएल पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद 4 जून को राजस्व, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में संयुक्त निरीक्षण किया गया था। मौके पर पंचनामा तैयार कर सभी अधिकारियों, शिकायतकर्ता और होटल पक्ष के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर भी कराए गए थे। इसके बावजूद बाद में विभागों द्वारा भेजी गई रिपोर्टों में मौके की स्थिति से अलग निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका की रिपोर्ट में अपशिष्ट जल निकासी और नहर संबंधी रिकॉर्ड को लेकर ऐसे तथ्य दर्ज किए गए हैं, जो संयुक्त निरीक्षण के दौरान सामने आई वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। वहीं जल संसाधन विभाग ने पुराने अभिलेख उपलब्ध नहीं होने की बात कहते हुए अलग निष्कर्ष दिए हैं। शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब अभिलेख ही उपलब्ध नहीं हैं तो रिपोर्ट में अंतिम निष्कर्ष किस आधार पर दर्ज किए गए। लोक निर्माण विभाग की रिपोर्ट को लेकर भी आपत्ति दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि सड़क सीमा और निर्माण की स्थिति के संबंध में विभागीय प्रतिवेदन और संयुक्त पंचनामा में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। वहीं राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट भी अन्य विभागीय प्रतिवेदनों से मेल नहीं खाती।

शिकायतकर्ता ने प्रशासन से पूछा है कि यदि संयुक्त पंचनामा सही है तो विभागीय प्रतिवेदन अलग क्यों हैं, और यदि विभागीय प्रतिवेदन सही हैं तो संयुक्त पंचनामा तथा राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट की वैधता क्या है। आवेदन में यह भी सवाल उठाया गया है कि यदि जल संसाधन विभाग के पास संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं तो पूर्व में होटल संचालक को नोटिस और पत्राचार किस आधार पर जारी किए गए थे। संबंधित विभागों की संयुक्त टीम बनाकर दोबारा स्थल निरीक्षण कराया जाए, सीमांकन और अभिलेखों का मिलान किया जाए तथा यदि शासकीय भूमि, नहर या सड़क सीमा पर अतिक्रमण मिलता है तो तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही विरोधाभासी प्रतिवेदन देने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए।

छतरपुर में छात्रों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन, शिक्षा सुधार की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे युवा

छतरपुर। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर प्रभावी रोक और समयबद्ध परीक्षाओं की मांग को लेकर सोमवार को छतरपुर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और अनुशासित तरीके से प्रशासन के समक्ष रखा।

छात्रों का कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सरकार से पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू करने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा सभी भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं को तय समय-सीमा में संपन्न कराने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान छात्र शांतिपूर्वक बैठे रहे और हाथों में तख्तियां लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपील की। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना है।

छात्रों की इस एकजुटता ने यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना ही बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। पूरे प्रदर्शन के दौरान अनुशासन और संयम देखने को मिला, जिससे यह आंदोलन युवाओं की जागरूकता और जिम्मेदारी का उदाहरण बनकर सामने आया। छात्रों ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत और निष्पक्ष बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर अंजली, प्रीति यादव, रजनी अहिरवार, अदिति, माही चौरसिया, संजू अहिरवार, महेन्द्र शुक्ला सहित अनेक छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं। वहीं एडीएम विनय द्विवेदी ने कहा कि छात्र-छात्राओं ने शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आवेदन सौंपे हैं। आवेदनों पर विधिसम्मत कार्रवाही करते हुए आगे प्रेषित किया जाएगा।

सटई नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की 13 दिन पुरानी हड़ताल समाप्त, लिखित आश्वासन के बाद लौटे काम पर

छतरपुर। नगर परिषद सटई के सफाई कर्मचारियों की चार सूत्रीय मांगों को लेकर 7 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन कामबंद हड़ताल सोमवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी माधुरी शर्मा के लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। मध्य प्रदेश नगर पालिका निगम कर्मचारी महासंघ (भारतीय मजदूर संघ) के बैनर तले जिला संयोजक आदित्य वाल्मीकि के नेतृत्व में कर्मचारी आंदोलन कर रहे थे।

नगर परिषद कार्यालय में हुई चर्चा के दौरान कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। लिखित आश्वासन में पूर्व वर्षों की लंबित ईपीएफ राशि तीन समान किस्तों में जमा कराने, हड़ताल अवधि के वेतन पर वरिष्ठ कार्यालय से मार्गदर्शन लेकर नियमानुसार निर्णय करने, कर्मचारी कमलेश वाल्मीकि को तत्काल कार्य पर वापस लेने और उनके वेतन संबंधी प्रकरण का निराकरण करने तथा मानदेय पर कार्यरत चार श्रमिकों को अगले माह से कलेक्टर दर के अनुसार भुगतान करने का आश्वासन दिया गया।

इन आश्वासनों के बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया और सभी सफाई कर्मचारी अपने कार्य पर लौटने पर सहमत हो गए। जिला संयोजक आदित्य वाल्मीकि ने इसे कर्मचारियों की एकजुटता, संगठन की मजबूती और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि संगठन को उम्मीद है कि नगर परिषद प्रशासन सभी लिखित आश्वासनों का समयबद्ध पालन करेगा, जिससे भविष्य में कर्मचारियों को दोबारा आंदोलन का सहारा न लेना पड़े।

सांदीपनि विद्यालय में टीआई ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ, विद्यार्थियों ने गीतों से दिया जागरूकता का संदेश

चंदला। युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाने और समाज में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से चंदला स्थित सांदीपनि विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चंदला थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला अपनी पुलिस टीम के साथ शामिल हुईं और छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टीआई श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवनभर नशे से दूर रहने का संकल्प लेने की अपील करते हुए नशे से दूरी है जरूरी का संदेश दिया। साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को नशा न करने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई।

इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर आधारित प्रेरक गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज को नशे के खिलाफ जागरूक रहने का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया और नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प मजबूत किया।

विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्कूली स्तर पर आयोजित ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के साथ उन्हें सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

एक घंटे देर से पहुंचे शिक्षक, समय से पहले लौटने का आरोप, ग्रामीणों ने बनाया वीडियो, शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

महाराजपुर। जनपद पंचायत नौगांव क्षेत्र की ग्राम पंचायत मतोद्धावेसन के ग्राम दीवान जू के पुरवा स्थित प्राथमिक शाला में शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय का निर्धारित समय सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होने के बावजूद शिक्षक नियमित रूप से समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते और निर्धारित समय से पहले ही चले जाते हैं। इस संबंध में ग्रामीणों ने शिक्षकों के विद्यालय देर से पहुंचने का वीडियो भी बनाया है और शिक्षा विभाग से जांच की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक अनिल नायक एवं जगविंद्र सिंह सोमवार को करीब 11:30 बजे विद्यालय पहुंचे। इस दौरान बच्चे विद्यालय परिसर में शिक्षकों का इंतजार करते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति कोई नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से जारी है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने विद्यालय में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भोजन तैयार कराने वाला समूह शासन द्वारा निर्धारित मीनू का पालन नहीं करता, बल्कि अपनी सुविधा के अनुसार भोजन तैयार कर बच्चों को परोसता है। कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से शिक्षक और समूह संचालक मनमानी कर रहे हैं। विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी ग्रामीणों ने गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि विद्यालय परिसर में बने शौचालय और बाथरूम लंबे समय से गंदगी से भरे पड़े हैं। नियमित साफ-सफाई नहीं होने के कारण बच्चे उनका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और खुले में शौच जाने को मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी से मांग की है कि शिक्षकों के देर से विद्यालय पहुंचने के वीडियो के आधार पर निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही दोषी पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों एवं जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, मध्यान्ह भोजन योजना और स्वच्छता व्यवस्था में तत्काल सुधार सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च स्तर पर भी शिकायत करेंगे।

जिला अस्पताल में सफल ऑपरेशन, मरीज के मूत्राशय से निकली 6 सेंटीमीटर की विशाल पथरी

छतरपुर। जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने एक जटिल सर्जरी कर 45 वर्षीय दिव्यांग मरीज के मूत्राशय से करीब 6 सेंटीमीटर आकार की विशाल पथरी सफलतापूर्वक निकालकर बड़ी सफलता हासिल की है। मरीज की हालत फिलहाल सामान्य है और वह स्वस्थ है। जानकारी के अनुसार ग्राम जैतपुर, थाना किशनगढ़ निवासी संतु आदिवासी (45), पिता हरिप्रसाद आदिवासी, पिछले चार से पांच वर्षों से पेट दर्द और पेशाब में जलन की समस्या से परेशान थे। कई स्थानों पर उपचार कराने के बावजूद उन्हें राहत नहीं मिली। गुरुवार को वे उपचार के लिए जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचे, जहां ओपीडी में डॉ. बद्री पटेल ने उनका परीक्षण किया। आवश्यक जांच कराने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कर लिया गया।

डॉ. बद्री पटेल ने बताया कि जांच में मरीज के मूत्राशय में बड़ी पथरी होने की पुष्टि हुई। इसके बाद शनिवार को विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने करीब डेढ़ से दो घंटे तक चली सर्जरी कर मरीज के मूत्राशय से लगभग 6 सेंटीमीटर आकार और करीब 250 से 300 ग्राम वजन की पथरी सफलतापूर्वक निकाल दी।

चिकित्सकों के अनुसार मरीज दोनों पैरों से दिव्यांग है, जिससे उपचार और सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी। इसके बावजूद जिला अस्पताल की टीम ने सफल ऑपरेशन कर मरीज को नई राहत दी। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका स्वास्थ्य लगातार बेहतर हो रहा है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने इसे टीमवर्क और समय पर किए गए उपचार का सफल परिणाम बताया।

हर दिन सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए 30 मिनट देंगे तो सुधरेगी ग्रेडिंग

कलेक्टर ई आफिस और जनसुनवाई में लापरवाही बरतने वालों का कटेगा वेतन

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए यदि 30 मिनट का समय दे दें तो कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहेगा। विभाग की ग्रेडिंग में भी सुधार होगा। हर महीने की 5 तारीख तक 75 प्रतिशत तथा 10 तारीख तक 80 प्रतिशत ग्रेडिंग अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। अपने अधीनस्थ अधिकारियों से सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की प्रतिदिन जानकारी लें। शिकायतों का बोझ अपने सर पर रखकर न बैठें। इनका समुचित निराकरण करें। जनसुनवाई के आवेदन पत्रों के निराकरण की भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। जनसुनवाई में जिन अधिकारियों ने लापरवाही बरती है उन पर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने तहसीलदार त्योंथर, सेमरिया, सिरमौर, मनगवां, जवा तथा गुढ़ द्वारा जनसुनवाई के आवेदनों का निराकरण न करने पर उनका वेतन काटने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन एक अथवा दो तहसील के एसडीएम, तहसीलदार तथा शिकायत के प्रभारी कलेक्ट्रेट में उपस्थित होकर सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई के आवेदनों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विधानसभा प्रश्नों का सभी अधिकारी तत्काल उत्तर दें। प्रश्नों के उत्तर ऑनलाइन दर्ज कराने के साथ उसकी एक प्रति कलेक्टर कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। विधानसभा के ध्यानाकर्षण प्रश्नों का उत्तर 24 घंटे की समय सीमा में दें। प्रश्न के संबंध में समुचित कार्यवाही करके तथ्यपरक प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। टीएल पत्रों का निराकरण करके तय समय सीमा में प्रतिवेदन दें। त्योंथर, जवा तथा रायपुर कर्चुलियान के एसडीएम तथा तहसीलदार जवा के पास समय सीमा में निराकरण न होने वाले पत्र बड़ी संख्या में लंबित हैं। इन पर कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। ई आफिस के माध्यम से ही समस्त फाइलें और पत्र भेजें। इसकी प्रगति भी संतोषजनक नहीं है। ई आफिस से फाइल न भेजने पर कलेक्टर ने प्राचार्य आईटीआई, सचिव कृषि उपज मंडी, जिला खेल अधिकारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में समय पर जवाब और दावा प्रस्तुत करें। अवमानना प्रकरणों में तत्काल न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए जवाब-दावा कोर्ट में प्रस्तुत करें। अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष के भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। स्वरोजगार योजनाओं में निर्धारित वार्षिक लक्ष्य से 25 प्रतिशत अधिक प्रकरण 15 अगस्त तक बैंकों में दर्ज करा दें। इन प्रकरणों को 31 अगस्त तक बैंकों से स्वीकृत कराकर 15 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत वितरण करा दें। रोजगार प्रकरणों के निराकरण की 21 जुलाई को शाम 5 बजे से आयोजित बैठक में समीक्षा की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि सभी अधिकारी 31 जुलाई से पूर्व आईगॉट पोर्टल के माध्यम से कम से कम एक प्रशिक्षण अवश्य ले लें। अधीनस्थ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण दिलाकर प्रमाण पत्र सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा पकड़ाया

8 पिस्टल, 15 मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद

रीवा। रीवा पुलिस ने अवैध हथियारों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ पिस्टल, 15 मैगजीन और जिंदा कारतूस के साथ दो कथित हथियार सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हथियारों की यह खेप मध्यप्रदेश के धार जिले से बस के माध्यम से भोपाल होते हुए रीवा लाई जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आतंकवाद निरोधक दस्ता, इंटेलिजेंस ब्यूरो सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी रीवा पहुंच गई हैं और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हथियारों के नेटवर्क तथा संभावित खरीदारों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई रीवा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव राजपूत को मिले गोपनीय इनपुट के आधार पर की गई। आईजी के निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक गुरुकरन सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) रितु उपाध्याय, चोरहटा थाना प्रभारी पवन शुक्ला, सिविल लाइन थाना प्रभारी विजय सिंह तथा साइबर सेल के उपनिरीक्षक मृगेन्द्र सिंह सहित पुलिस बल शामिल था। सूचना मिली थी कि भोपाल से रीवा आ रही एक एसी बस में दो व्यक्ति बड़ी मात्रा में अवैध हथियार लेकर पहुंचने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम पहले से सतर्क हो गई और बस के रीवा पहुंचते ही उसकी घेराबंदी कर दी। तलाशी के दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। उनके कब्जे से आठ पिस्टल, 15 मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बरामद हथियारों को जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोशन गुप्ता निवासी अमहिया, रीवा तथा मंजर अंसारी उर्फ पिंटू निवासी निराला नगर, विश्वविद्यालय क्षेत्र, रीवा के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि दोनों आरोपी इंदौर और धार जिले से हथियार लाकर रीवा एवं आसपास के क्षेत्रों में उनकी सप्लाई करने की तैयारी में थे। हालांकि हथियारों की वास्तविक खेप किसे दी जानी थी और इसके पीछे किस गिरोह का हाथ है, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस का मानना है कि यह मामला केवल अवैध हथियारों की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार अंतरजिला हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। इसी कारण सुरक्षा एजेंसियां भी पूरे मामले की गहन जांच कर रही हैं।

सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम तय - रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात

रीवा। मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के प्रावधानों के तहत सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी संजय गुप्ता ने कार्यक्रम निर्धारित कर दिया है। निर्वाचन मण्डल की सदस्यता सूची के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। आदिवासी मझुआ सहकारी समिति देवा जिला मऊगंज के निर्वाचन के लिए वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एमएल साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। राधा मझुआ सहकारी समिति उमरी जिला रीवा के निर्वाचन के लिए भी वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एमएल साकेत को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध अपील के लिए उपायुक्त सहकारिता जिला रीवा को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोनों समितियों के संचालक मंडल की सदस्यता सूची 31 जुलाई को प्रकाशित की जाएगी। सदस्यता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियाँ 8 अगस्त तक उपायुक्त सहकारिता कार्यालय शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक में दर्ज की जा सकती हैं। दावे-आपत्तियों का निराकरण करके रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 10 अगस्त को सदस्यता सूची प्रकाशित करेंगे।

जिला अस्पताल को कायाकल्प योजना में मिला प्रदेश में दूसरा स्थान

रीवा। कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल रीवा को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कायाकल्प योजना के तहत प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस संबंध में अस्पताल की अधीक्षक तथा सिविल सर्जन डॉ. प्रतिमा मिश्रा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा कायाकल्प योजना के तहत वर्ष 2026 के मूल्यांकन के आधार पर जिला चिकित्सालय को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। जिला अस्पताल वर्ष 2018 से स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लगातार उपलब्धि हासिल कर रहा है। जिला अस्पताल 2018 से लगातार प्रदेश स्तर पर स्थान प्राप्त कर रहा है। इसके साथ-साथ जिला अस्पताल को स्वच्छता के क्षेत्र में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। रोगियों की निःशुल्क जांच, दवाओं की उपलब्धता तथा वितरण में भी जिला चिकित्सालय उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। सिविल सर्जन ने बताया कि जिला अस्पताल में रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन की सुदृढ़ कार्यप्रणाली, डॉक्टरों की विशेषज्ञता तथा नर्सिंग स्टाफ की सेवा भावना से कार्य करने के कारण अस्पताल की सेवाएं बेहतर हुई हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. केके तिवारी ने बताया कि जिला अस्पताल में रोगियों के बेहतर उपचार के लिए निरंतर नवाचार तथा आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। रवीन्द्रनाथ मिश्रा सहायक अस्पताल प्रबंधक ने बताया कि बाह्य रोगी कक्ष, आईपीडी, प्रसूति सेवाएं, नवजात शिशुओं की देखभाल तथा आपातकालीन सेवाएं देने में जिला चिकित्सालय लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने जिला अस्पताल को कायाकल्प योजना में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर सिविल सर्जन, सभी डॉक्टरों तथा चिकित्सा कर्मियों को बधाई दी है।

अष्टभुजी माता मंदिर परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशामुक्ति का संदेश

श्रद्धालुओं को दिलाई शपथ

मऊगंज मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित ₹नशे से दूरी है जरूरी 2.0₹ अभियान के अंतर्गत सोमवार को नईगढ़ी थाना पुलिस एवं अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में अष्टभुजी माता मंदिर परिसर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सावन के सोमवार के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी गोविंद प्रसाद तिवारी के निर्देशन में नईगढ़ी थाना पुलिस एवं अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने मंदिर परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्ति का सशक्त संदेश दिया। मानव श्रृंखला के माध्यम से श्रद्धालुओं, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार और समाज को भी नशे की बुराइयों से बचाने के लिए जागरूक करें।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे, दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे तथा समाज में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाएंगे।थाना पुलिस ने उपस्थित लोगों को बताया कि शराब, गांजा, नशीले पदार्थ एवं अन्य मादक द्रव्यों का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार, सामाजिक जीवन और भविष्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। विशेष रूप से युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। लोगों से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल पुलिस और प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की लत से जूझ रहा हो तो उसे उपचार एवं परामर्श के लिए प्रेरित करें तथा समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने में सहयोग दें।कार्यक्रम के दौरान मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी नशामुक्ति अभियान का समर्थन करते हुए इसे समाजहित की महत्वपूर्ण पहल बताया तथा भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

व्यक्ति नहीं संगठन सर्वोपरि, हर घर तक पहुँचाएँगे बसपा की विचारधारा

अमरपाटन में विधानसभा स्तरीय संगठन समीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर संपन्न

रीवा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तत्वावधान में मैहर जिले अमरपाटन के राजा मैरिज गार्डन में विधानसभा स्तरीय संगठन समीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सक्रिय कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने तथा आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तृत मंथन किया गया। प्रदेश एवं जोन स्तर के पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार, अनुशासन और जनसंपर्क अभियान को तेज करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर, मान्यवर कांशीराम एवं अन्य महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश प्रभारी दिलीप बौद्ध तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जोन प्रभारी पी. एस. मण्डेलिया, शरण चौधरी, कमलेश बौद्ध, पूर्व जोन प्रभारी छगेलाल कोल, वहीं विशेष अतिथि के रूप में बसपा युवा नेता जितेंद्र प्रताप सिंह 'जीतू' सहित जिला अध्यक्ष उत्तम साकेत मौजूद रहे। युवा नेता जितेंद्र प्रताप सिंह 'जीतू' ने कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। शिविर में अमरपाटन विधानसभा के सभी 30 सेक्टरों के प्रभारी, सेक्टर अध्यक्ष, बूथ पदाधिकारीओ से मुख्य अतिथि दिलीप बौद्ध ने वन टू वन चर्चा की । समीक्षा बैठक के दौरान प्रत्येक सेक्टर की संगठनात्मक गतिविधियों का बारीकी से मूल्यांकन किया गया। प्रदेश प्रभारी दिलीप बौद्ध ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, बूथ समितियों की सक्रियता और जनाधार बढ़ाने को लेकर पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संगठन की मजबूती ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होती है। सक्रिय कार्यकर्ताओं का सम्मान और प्रोत्साहन किया गया, जबकि लंबे समय से निष्क्रिय पदाधिकारियों के स्थान पर नए एवं ऊर्जावान युवाओं को जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय भी लिया गया। उन्होंने बसपा युवा नेता जितेंद्र प्रताप सिंह 'जीतू' की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे युवाओं और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास भरने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी में व्यक्ति नहीं बल्कि संगठन सर्वोपरि होता है। इस अवसर पर हाल ही में अमरपाटन विधानसभा उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए अभिनव सिंह बघेल को मुख्य अतिथि दिलीप बौद्ध ने मंच पर सम्मानित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं बसपा युवा नेता जितेंद्र प्रताप सिंह एवं जीतू ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य व्यक्तिगत रूप से नेता बनना नहीं, बल्कि संगठन को मजबूत बनाना और प्रत्येक कार्यकर्ता को नेतृत्व के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी विचारधारा की राजनीति करती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह गांव-गांव और घर-घर तक पार्टी की नीतियों, सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना को पहुंचाए। उन्होंने युवाओं से पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक ले जाने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे वक्ताओं ने संगठनात्मक अनुशासन, सदस्यता अभियान, आगामी चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन तथा सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर भी अपने विचार रखे। शिविर के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा आगामी चुनावों में बहुजन समाज पार्टी को मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। विधानसभा स्तरीय इस समीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर में अमरपाटन क्षेत्र के सेक्टर प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, युवा कार्यकर्ता, महिला पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में बसपा समर्थक उपस्थित रहे।

टाइल्स शोरूम में चोरी और मोबाइल स्नेचिंग का पर्दाफाश

रीवा। शहर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत समान थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर चोरी और मोबाइल लूट की दो अलग-अलग वारदातों का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान चोरी की गई वैगनआर कार, पल्सर बाइक, गैस सिलेंडर तथा लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, समान थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि 17-18 जुलाई की दरमियानी रात फूलमती माता मंदिर के समीप स्थित एक टाइल्स शोरूम का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने परिसर में खड़ी वैगनआर कार, पल्सर मोटरसाइकिल तथा गैस सिलेंडर चोरी कर लिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान की गई। जांच के दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल जायसवाल और विशाल जायसवाल के रूप में हुई है। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई वैगनआर कार, पल्सर बाइक तथा गैस सिलेंडर सहित अन्य सामान बरामद कर लिया।इसी दौरान समान थाना पुलिस ने मोबाइल लूट की घटना का भी खुलासा किया। पुलिस के अनुसार रतहरा से सिरमौर चौराहा की ओर मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे एक युवक से स्कूटी सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया था। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मोबाइल लूट के मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमहिया निवासी खुर्शीद अंसारी तथा निराला नगर निवासी दिलीप कुशवाहा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है

5 आरोपियों को 3 वर्ष का सश्रम कारावास

रीवा। चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश रीवा संतोष कुमार तिवारी की अदालत ने मारपीट के एक मामले में पांच आरोपियों को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपियों को धारा 324 भादवि के तहत तीन वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो-दो हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 323/34 भादवि के तहत छह माह का सश्रम कारावास एवं एक-एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर धारा 324 में तीन-तीन माह और धारा 323/34 में एक-एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। अपर लोक अभियोजक डीएन मिश्रा ने बताया कि मामला 22 जून 2023 को ग्राम पुरास का है। फरियादी रमाकांत तिवारी सुबह करीब 8.30 बजे अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान उसका चचेरा भाई आरोपी आदित्य प्रसाद तिवारी अपने मवेशियों को बांधने के लिए फरियादी की जमीन पर परछी का निर्माण कर रहा था। फरियादी द्वारा मना करने पर आदित्य तिवारी ने हंसिया से उसके सिर और कंधे पर वार कर दिया तथा लात घूंसों से मारपीट करने लगा। बीच-बचाव करने पहुंची फरियादी की पत्नी विद्यावती तिवारी के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि आदित्य तिवारी के पुत्र सौरभ तिवारी, अभिषेक तिवारी और गौरव तिवारी ने फरियादी, उसकी पत्नी तथा पुत्र नीरज तिवारी के साथ मारपीट की। घटना के बाद फरियादी ने थाना रायपुर कर्चुलियान में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 251/23 के तहत प्रकरण दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया। चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में धारा 324 और 326 भादवि की धाराओं का इजाफा किया गया। विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने चालान न्यायालय में पेश किया। प्रकरण सत्र न्यायालय में विचारणीय होने के कारण चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में विचारण हुआ।

डकैती और एनडीपीएस समेत तीन गंभीर मामलों में 10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

रीवा। जिले की मनगवां पुलिस ने डकैती, एनडीपीएस एक्ट और मारपीट जैसे तीन अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपी पर 10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा भी की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना मनगवां में तीन गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें शराब पीने के लिए रुपए मांगकर मारपीट करने, डकैती तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध शामिल हैं। इन मामलों में आरोपी घटना के समय से ही फरार चल रहा था, जिसके कारण उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।लगातार तकनीकी निगरानी, मुखबिर तंत्र और संभावित ठिकानों पर दबिश के बाद पुलिस ने रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई, पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक नेटवर्क और अन्य मामलों में भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र सिंह उर्फ राका (21 वर्ष), पिता रामपाल सिंह, निवासी ग्राम बेलवा पैकान, थाना मनगवां, जिला रीवा के रूप में हुई है।

चड्ढा कंपनी के बबलू मिश्रा पर दलालों के माध्यम से पैसे लेकर नौकरी देने के लग रहे गंभीर आरोप

सिंगरौली। एनसीएल की जयंत व दूधिचूआ परियोजना मे ओबी का कार्य कर रही चड्ढा कंपनी का मैनेजमेंट का कार्य देख रहा बबलू मिश्रा इस समय सुर्खियों मे छाया हुआ है, ज्ञातव्य हो बबलू मिश्रा लोकल दलालो के माध्यम से दो से तीन लाख रूपये लेकर भर्ती कर रहा है। इसके ऊपर कई जनप्रतिनिधिओ,समाजसेवियों के द्वारा भी पैसे लेकर भर्ती करने का आरोप लगाये जा चुके है।

बबलू मिश्रा चड्ढा कंपनी के मालिक को गुमराह करके दलालो के माध्यम से लम्बे पैसे लेकर कर रहा भर्ती

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबलू मिश्रा शाम होते ही दलालो के यहाँ रंगरेलिया मनाने पहुँच जाता है और शराब कबाब का मजा लेता है और सुबह होते ही चड्ढा के मालिक को इधर उधर कि बातो मे उलझाकर गुमराह करके भर्ती करता है।

बबलू मिश्रा के करोड़ो रूपये के भ्रष्टाचार के जाँच कि उठी माँग

बबलू मिश्रा जो कि खुद एक दलाल है,लोकल दो चार दलालो से मिलकर करोड़ों रूपये कि बेमानी संपत्ति अर्जित कि है जिसको अपने परिवार के लोगो के नाम ट्रांसफर कर दी है जल्द ही इसके भ्रष्टाचार कि शिकायत लोकायुक्त मे की जायेगी जिसमे दुध का दुध और पानी का पानी हो जायेगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब ये चड्ढा कंपनी मे नौकरी करने आया था तो इसके पास कुछ नही था लेकिन दो चार सालो मे करोड़ो रूपये का अबैध संपत्ति मालिक बन चुका है।

कई लोगो ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि और कई प्रकार के भ्रष्टाचार है जो कि अगले अंक मे प्रसारित किये जायेंगे।

जिनकी एनसीएल ने जमीने ली है ऐसे गरीब विस्थापित परिवार अगर नौकरी मांगने जाते है तो सबसे पहले दलालो को आगे खड़ा करके गाली गलौज मारपीट पर करवाता है जिससे कई विस्थापित परिवार जिनकी जमीने कटिंग एरिया मे है ओ आज भी नौकरी के लिए तरस रहे है।

मोरवा थाना प्रभारी व तहसीलदार कंपनी का एजेंट बनकर रहते है तैयार

चड्ढा कंपनी मे कोई विस्थापित, प्रभावित, स्थानीय या कोई राजनितिक पार्टी जो विस्थापितों के लिए नौकरी की माँग करने जाती है उसके पहले ही थाना प्रभारी मोरवा अपनी पुरी थाने की फोर्स लेकर कंपनी की सेवा मे हाजिर हो जाते है इसी प्रकार तहसीलदार अभिषेक यादव किसी कंपनी मे आंदोलन की सूचना भर दे दीजिये सारे प्रशासनिक कार्य छोड़कर कंपनी की सेवा मे हाजिर रहते है। इन्ही सब की वजह से भ्रष्ट बबलू मिश्रा का मनोबल बढ़ा हुआ है।

युवा कांग्रेस ने दिया था मुहतोड़ जवाब

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिसोदिया (सोनू),व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोरवा के अध्यक्ष व पार्षद शेखर सिंह ने विस्थापितों की नौकरी की माँग लेकर आंदोलन किया था मौके पर बबलू मिश्रा के न आने से नाराज सभी युवा कांग्रेस के युवाओं ने कैम्प मे जाकर बबलू मिश्रा जमकर लताड़ लगाई थी, स्थानीय लोगो ने कहाँ ऐसे ही भ्रष्ट दलाल बबलू मिश्रा को लताड़ की जरुरत है तभी ए सुधरेगा।

कलेक्टर के आदेश की अवहेलना कर रही चड्ढा कंपनी

ओबी कम्पनियो मे रोजगार के आये दिन आंदोलन होते रहते थे तब तत्कालीन कलेक्टर ने स्थायी समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों से मिलकर एक आदेश निकाला था कि जो नई कंपनी ओबी कार्य करने आएगी वो पुराने कंपनी मे कार्य कर रहे सभी पुराने कर्मचारियों को रोजगार देगी इस हिसाब से रामकृपाल कंपनी के सारे कर्मचारियों को चड्ढा कंपनी के द्वारा रोजगार देना चाहिए लेकिन एक भी व्यक्ति को रोजगार नही दिया गया जिससे आये दिनो मे बड़े आंदोलन होने कि सम्भावना है।

दूधिचूआ परियोजना के जीएम व पीओ तथा एसओपी को खुलेआम देता है गाली

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबलू मिश्रा जो कि चड्ढा कंपनी के भर्ती प्रक्रिया का सर्वे सर्वा बना हुआ है वो आये दिन एनसीएल दूधिचूआ परियोजना के जीएम,पीओ, एसओपी को लोगो के सामने खुलेआम गाली देता है आखिर क्या मजबूरी है कि बड़े बड़े अधिकारी इसके भ्रष्टाचार मे चुप चाप बैठे है। चड्ढा कंपनी के खिलाफ जल्द ही कई सामाजिक, राजनैतिक संगठन बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दिए है।

शासकीय प्राथमिक पाठशाला रजगत में हुआ वित्तीय साक्षरता का आयोजन

मऊगंज। जिले के जनपद पंचायत नईगढ़ी की ग्राम पंचायत अमिरती के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक पाठशाला रजगत मे वित्तीय साक्षरता का आयोजन ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक संपूर्णानंद त्रिपाठी द्वारा किया गया जिसके मुख्य अतिथि एलडीएम मऊगंज ज्योत्सना अग्रवाल रही वही कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत अमिरती सरपंच जया भारती ने किया तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर असिस्टेंट काउंसलर वित्तीय साक्षरता (आरोह फाउंडेशन) संतोष कुमार मिश्र रहे कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मिश्र ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों एवं हितग्राहियों का अभिवादन किया तत्पश्चात सरकार द्वारा संचालित बैंकिंग योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जैसे बैंक के महत्व के बारे में बताया गया क्योंकि सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं उनका लाभ बैंक के माध्यम से ही मिलता है इसलिए सभी लोगों का बैंक में खाता होना आवश्यक है अधिकतर लोगों का खाता खुला है परंतु बहुत ऐसे लोग हैं जिनमें केवाईसी नॉमिनी नहीं है इसलिए सभी लोग अपने ब्रांच में जाकर केवाईसी नॉमिनी कंप्लीट कर लें और खाते में अपना मोबाइल नंबर जरूर दर्ज करा लें ताकि आपको बैंक से संबंधित कोई भी जानकारी हो तो मैसेज के माध्यम से समय-समय पर मिलती रहे सरकार द्वारा जन सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और अटल पेंशन योजना की व्यवस्था की गई है जिसका जिस बैंक में खाता है वहीं से आप कर सकते हैं बीमा का लाभ परिवार को मिलता है जबकि अटल पेंशन का लाभ बुढ़ापे में स्वयं आवेदक को मिलता है इसलिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा साल भर में मात्र 20 लगते हैं और 200000 का दुर्घटना बीमा होता है यदि एक्सीडेंट में मृत्यु हुई तो उसे 20 के नाते परिवार को 200000 मिलेंगे जो कि गरीब परिवार के लिए बहुत बड़ी मदद है प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा साल भर में 436 रुपए खाते से कटेंगे और 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच हर महिला पुरुष अपने बैंक में जाकर कर सकते हैं यदि सामान्य मृत्यु भी होती है तो नॉमिनी को 200000 मिलेंगे इसी तरह से अटल पेंशन योजना 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच हर महिला पुरुष अपने बैंक से कर सकते हैं यह पेंशन बुढ़ापे की लाठी कही जाती है 60 वर्ष तक पैसे खाते से काटते हैं और इसके बाद जैसे ही 60 वर्ष उम्र पूरी होती है पैसा कटना बंद पेंशन चालू जब तक आवेदक जीवित रहा तब तक उसकी पेंशन उसके बाद उसके नॉमिनी को पेंशन और पति-पत्नी दोनों के मृत्यु के पश्चात बच्चों को 850000 नगद राशि बैंक के माध्यम से दिए जाएंगे जो कि यह बहुत बड़ी राशि है इसलिए हर किसी को यह पेंशन अवश्य करना चाहिए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एलडीएम मऊगंज में कहा की जो यह वित्तीय साक्षरता का कार्यक्रम गांव-गांव में हो रहा है इसीलिए हो रहा है ताकि आपको शासकीय योजनाओं की जानकारी हो और उसका आप लोग अधिक से अधिक लाभ लें और जो भी जानकारी आप लोगों को बताई गई है आप निश्चित रूप से समझ गए होंगे और अपने बैंक से जाकर जरूर कर लें साइबर फ्रॉड की घटनाएं अक्सर देखी जाती हैं इसलिए आप लोगों से विशेष आग्रह है कि किसी अनजान व्यक्ति को अपनी कोई भी गोपनीय जानकारी शेयर ना करें और ना ही ओटीपी बताएं और कोई भी अनजान लिंक आती है उसको भी शेयर ना करें विद्यालय में जो आज नन्हे मुन्हे बच्चे अध्ययन कर रहे हैं यही हमारे देश के भविष्य हैं इसलिए इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत ऐसे छात्र-छात्राएं जिनका कक्षा 12 में 85 प्रक्रिया से ऊपर रिजल्ट है और उनके माता-पिता के पास नौकरी और जमीन न के बराबर है ऐसे बच्चों को 450000 रुपए बिना गारंटी के एजुकेशन लोन दिए जाएंगे बैंक से जुड़कर उसे पैसे का सही सदुपयोग करें और आत्मनिर्भर होने के बाद धीरे-धीरे करके बैंक का पैसा अदा करें आप लोगों के लिए गांव-गांव में बैंक के बीसी लोग बैठते हैं इसलिए आप लोग पैसा वहीं से निकले और पैसा निकालने का एवं जमा करने का एक भी पैसा ना दे वह आप लोगों की सुविधा के लिए खोला गया है ताकि आपको दूर न जाना पड़े यदि कोई बीसी पैसा लेता है तो मुझे तत्काल लिखित में आवेदन दें उसके विरुद्ध तुरंत एक्शन लिया जाएगा क्योंकि सरकार की योजनाए जनता के हित के लिए होती हैं इसलिए जो भी गलत करेगा वह बक्सा नहीं जाएगा तथा किसान भाइयों से विशेष आग्रह है कि आपका फसल की बीमा हो रही है इसलिए अपने बैंक में जाकर अवश्य कर लें ताकि यदि आपके फसल की कोई नुकसान हो तो बीमा के माध्यम से आपकी आर्थिक कमी की भरपाई की जा सके कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक संपूर्ण आनंद त्रिपाठी विद्यालय के शिक्षक चित्र सेन त्रिपाठी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रभादेवी साकेत सरोज साकेत आशा कार्यकर्ता सविता मिश्रा सहायिका उर्मिला साकेत जल जीवन मिशन की बीसी प्रियंका भारती जिन्होंने अपनी की जांच कर लोगों को बताया कि यह पानी पीने योग्य है या नहीं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किट भी दिया गया ताकि अपने केंद्र में रखकर अपने एरिया की पानी की जांच कर ले ताकि दूषित पानी लोग नापी है पानी की समय-समय पर जांच करें और बीमारी से छुटकारा पाएं हितग्राहियों में माया साकेत शिवानी साकेत परवीन साकेत श्यामवती साकेत देववती साकेत गुलाब कली साकेत राजकुमार साकेत शहित अन्य हितग्राही उपस्थित रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग द्वारा सीएचपी एवं रसायन विभाग मे हिंदी कार्यशाला किया गया का आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रसायन विभाग एवं सीएचपी विभाग में विभागीय हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

दिनांक 20 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे रसायन विभाग में विभागीय कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा नियम, 1976 के सभी 12 नियमों एवं राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को तकनीक के माध्यम से सरल बनाने हेतु प्रतिभागियों को ई-टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान लीला सॉफ्टवेयर एवं कंठस्थ 2.0 जैसे भारतीय भाषा आधारित सॉफ्टवेयरों के उपयोग एवं उनके लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई।

रसायन विभाग की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष श्री टी.एन. सीतारमण ने हिंदी को अत्यंत सरल एवं व्यवहारिक भाषा बताते हुए कहा कि इसे अपनाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने तथा राजभाषा संबंधी सभी संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

दोनों कार्यशालाएं सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं। अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में दिनांक 14 जुलाई 2026 को भी सीएचपी विभाग के वर्कशॉप सभागार में आयोजित हिंदी कार्यशाला में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम. सुरेश, विभागाध्यक्ष(सीएचपी) श्री शिवा प्रसाद एसपी सहित लगभग 30–35 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री एम. सुरेश मणिकम ने हिंदी को लोकप्रिय एवं जनप्रिय भाषा बताते हुए कार्यालयीन कार्यों में इसके अधिकाधिक प्रयोग तथा राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया।

कार्यशाला का संचालन सहायक राजभाषा अधिकारी श्री कल्याण सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी से संबंधित दैनिक कार्यालयीन कार्यों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई तथा ई-ऑफिस में हिंदी टंकण, लीला पोर्टल एवं कंठस्थ जैसे भारतीय भाषा आधारित डिजिटल टूल्स के प्रयोग के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया।